

PRESS RELEASE

19 Dec 2024

PLATE CUTTING CEREMONY OF FIRST FAST PATROL VESSEL AND SECOND NGOPV AT MDL

Mazagon Dock Shipbuilders Ltd (MDL), a Navratna DPSU, commenced the production activity for the first Fast Patrol Vessel (FPV) of 14 FPVs project for Indian Coast Guard (ICG), today. Along with this, plate cutting of 2nd ship of Next Generation Offshore Patrol Vessels (NGOPVs) was also undertaken. Mr. Biju George, Director Shipbuilding presided the plate cutting ceremony in presence of DIG Shajen Kurian, PD(MAT) and DIG Alankar Singh, CGRPS MBI along with senior officials from ICG and MDL.

MDL has signed the contract with ICG to design, build, and deliver a total of Fourteen (14) Fast Patrol Vessels. The project is valued at Rs 1070.47 crores. Each vessel will feature a waterjet propulsion drive, built to meet contractual speed in excess of 33 knots and shall be classified under Dual class (ABS & IRS).

The vessels will be designed as High speed craft, equipped with a waterjet propulsion, high-speed diesel engine. The vessel shall be used for patrolling coastal waters and protection of fisheries.

These vessels will be capable of carrying a small high speed boat to carry out search and rescue missions in shallow unchartered waters. Apart from this, these vessels shall have inherent capability to switch over to war time roles such as providing communication link, escort coastal convoys, logistic support, medical evacuation and supplement Indian Naval resources.

As regards to NGOPVs, the plate cutting ceremony of the second ship was held today. The first of class plate cutting was held on 31 May 2024. MDL has signed the contract with ICG to design, build and deliver a total of Six (06) Next Generation Offshore Patrol Vessels. The project is valued at Rs. 1614.89 crores. Each vessel is fitted with twin Controllable Pitch Propellers driven by 9000 kW engines to meet contractual speed in excess of 23 knots and shall be classified under Dual Class (ABS&IRS).

The vessels will be designed as High Speed craft under Class HSC rules. The vessel shall be used primarily for Coastal and Offshore patrolling and Policing Maritime zones of India. The primary role also includes Fisheries Protection, Anti-Smuggling and Anti-Piracy, Search and Rescue operations, Ocean Surveillance and Monitoring of Sea lines of communication (SLOCs).

The first vessel of FPV is scheduled for delivery in Mar 2026. The delivery of first NGOPV is scheduled in Jul 2027 and second NGOPV is scheduled in Dec 2027. Today's plate cutting ceremony for FPV1 marks the official start of the production activities for this project.

भारतीय तटरक्षक बल के लिए एफपीवी एवं एनजीओपीवी का प्लेट कटिंग समारोह

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल), एक नवरत्न डीपीएसयू, ने आज भारतीय तटरक्षक बल के लिए 14 एफपीवी परियोजना के पहले तीव्र गश्ती पोत (एफपीवी) के लिए उत्पादन गतिविधि शुरू की। इसके साथ ही एनजीओपीवी के दूसरे जहाज की प्लेट कटिंग का कार्य भी किया गया। श्री बीजू जॉर्ज, निदेशक, जहाज निर्माण ने डीआईजी शाजेन कुरियन, पीडी (एमएटी) और डीआईजी अलंकार सिंह, सीजीआरपीएस एमबीआई के साथ-साथ आईसीजी और एमडीएल के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में प्लेट कटिंग समारोह की अध्यक्षता की।

एमडीएल ने कुल चौदह (14) तीव्र गश्ती पोतों के डिजाइन, निर्माण और सुपुर्दगी के लिए आईसीजी के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना का मूल्य 1070.47 करोड़ रुपये है। प्रत्येक पोत में वाटरजेट प्रोपल्शन ड्राइव की सुविधा होगी, जिसे 33 समुद्री मील से अधिक की अनुबंधित गति को पूरा करने के लिए बनाया गया है और इसे दोहरी श्रेणी (एबीएस और आईआरएस) के तहत वर्गीकृत किया जाएगा।

इन जहाजों को हाई स्पीड क्राफ्ट के रूप में डिजाइन किया जाएगा, जो वाटरजेट प्रोपल्शन, हाई-स्पीड डीजल इंजन से लैस होंगे। इस जहाज का इस्तेमाल तटीय जल में गश्त और मत्स्य पालन की सुरक्षा के लिए किया जाएगा।

ये जहाज उथले अज्ञात जल में खोज और बचाव मिशन को पूरा करने के लिए एक छोटी हाई स्पीड नाव ले जाने में सक्षम होंगे। इसके अतिरिक्त, इन जहाजों में संचार लिंक प्रदान करने, तटीय काफिले को एस्कॉर्ट करने, लॉजिस्टिक सहायता, चिकित्सा निकासी और भारतीय नौसेना के संसाधनों को पूरक करने जैसी युद्धकालीन भूमिकाओं को बदलने की अंतर्निहित क्षमता होगी।

एनजीओपीवी के संबंध में, दूसरे जहाज की प्लेट कटिंग समारोह आज आयोजित किया गया। क्लास के पहले जहाज की प्लेट कटिंग 31 मई 2024 को आयोजित की गई थी। एमडीएल ने कुल छह (06) अगली पीढ़ी के अपतटीय गश्ती जहाजों को डिजाइन करने, बनाने और सुपुर्दगी करने के लिए आईसीजी के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना का मूल्य 1614.89 करोड़ रुपये है। प्रत्येक पोत को 23 समुद्री मील से अधिक की अनुबंधित गति को पूरा करने के लिए 9000 किलोवाट इंजन द्वारा संचालित जुड़वां नियंत्रणीय पिच प्रोपेलर के साथ लगाया गया है और इसे दोहरे वर्ग (एबीएस और आईआरएस) के तहत वर्गीकृत किया जाएगा।

इन जहाजों को क्लास एचएससी नियमों के तहत हाई स्पीड क्राफ्ट के रूप में डिजाइन किया जाएगा। इस जहाज का इस्तेमाल मुख्य रूप से तटीय और अपतटीय गश्त और भारत के समुद्री क्षेत्रों की पुलिसिंग के लिए किया जाएगा। इसकी प्राथमिक भूमिका में मत्स्य संरक्षण, तस्करी और समुद्री डकैती विरोधी, खोज और बचाव अभियान, महासागर निगरानी और संचार की समुद्री लाइनों (एसएलओसी) की निगरानी भी शामिल है।

एफपीवी का पहला पोत मार्च 2026 में वितरित किया जाना निर्धारित है। पहले एनजीओपीवी की डिलीवरी जुलाई 2027 में और दूसरे एनजीओपीवी की डिलीवरी दिसंबर 2027 में निर्धारित है। एफपीवी परियोजना के लिए आज का प्लेट कटिंग समारोह इस परियोजना के लिए उत्पादन गतिविधियों की आधिकारिक शुरुआत का प्रतीक है।



